नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Bilaspur City - 14 May 2022 - 14nya 2

सांस्कृतिक विविधता को सहेजना जरूरी

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में छत्तीसगढ़ी देशभक्ति कविता संग्रह का विमोचन

■ नवभारत रिपोर्टर | बिलासपुर.
www.navabharat.news

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में गत दिवस विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में परिदृश्य के मंच पर आयोजित छत्तीसगढ़ी देशभक्ति कविता संग्रह का विमोचन किया गया.

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बीएन तिवारी रहे, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर निलंबरी दवे विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान विभाग सौराष्ट्र विश्वविद्यालय एवं डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा, अधिष्ठाता सामाजिक विज्ञान संकाय रहे.

स्वागत उद्बोधन डॉ. सांत्वना पाण्डेय द्वारा दिया गया, तत्पश्चात चित्र लता सिंह द्वारा परिदृश्य के मंच पर आयोजित विभिन्न क्रियाकलापों की विस्तार से जानकारी दी गई. इस अवसर पर छात्र कुणाल साहू द्वारा छत्तीसगढ़ी देशभक्ति कविता प्रतियोगिता के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई, इसके बाद अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा देशभक्ति स्वरचित छत्तीसगढ़ी कविता संग्रह का विमोचन किया गया. इस अवसर पर माय समर बुक रीडिंग लिस्ट नामक पुस्तक पठन अभियान का शुभारंभ किया गया. इसी कड़ी में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 3 वर्षों से आयोजित निर्वाचन साक्षरता महोत्सव का भी शुभारंभ किया गया. इस कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी देते हुए छात्र समीक्षा नायर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. बीएन तिवारी ने कहा अपनी मातृभाषा एवं सांस्कृतिक विविधता को सहेजना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इस बात को लेकर विशेष ध्यान दिया गया है कि विद्यार्थी अपनी मातृभाषा को सहेजते हुए अपनी शिक्षा हासिल करें.

किताब बढ़ने की आदत दिनचर्या में लानी चाहिए

विशिष्ट अतिथि प्रो. निलंबरी दवे ने कहा कि आप लोगों के कार्यक्रम को देखकर प्रसन्नता हो रही है कि विद्यार्थी अपने शिक्षक के मार्गदर्शन भर से ही किसी कार्यक्रम को सफलता के साथ आयोजित कर रहे है. माय समर बुक रीडिंग लिस्ट अभियान को शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि किताब व्यक्ति की सबसे अच्छी मित्र होती है और व्यक्ति को किताब पढ़ने की आदत दिनचर्या में लानी चाहिए. सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता और विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रवीण मिश्रा ने कहा कि आप सभी के अंदर प्रतिभा छिपी हुई है जो इस कार्यक्रम के माध्यम से समावेशी रूप में परिलक्षित हो रही है, हर कार्यक्रम के सफल होने के पीछे का कारण है उस कार्यक्रम की रूपरेखा जो आप बहुत अच्छे से बना कर उसे इस रूप में साकार करते है. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रो. सक्सेना ने बताया कि किसी प्रकार विभाग विद्यार्थियों के उत्थान के लिए नए-नए प्रयोग कर रहा है. कार्यक्रम का संचालन छात्र गोपाल यादव एवं छात्रा दिव्या द्वारा किया गया और आभार प्रकट छात्र सत्यम द्वारा किया गया. इस अवसर पर अन्य अतिथियों में विभिन्न विभाग के विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता समेत विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे. विद्यार्थी तथा शोधार्थी की भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम को सफल बनाने का कार्य किया.